

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सविव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
चम्पावत।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वासि

देहरादूनः दिनांक ०५, मार्च, 2005

विषयः— जनपद चम्पावत में दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय परिसम्पत्तियों के मरम्मत एवं पुर्णनिर्माण कार्यो हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 671 /तेरह-9(2004-05) /दै०आ०-आगणन दिनांक 25.1.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद चम्पावत में दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय परिसम्पत्तियों के मरम्मत के ४ कार्यो हेतु उपलब्ध कराये गये रु 20.07 लाख के आगणन के विपरीत तकनीकी परिक्षणोपरान्त टी.ए.सी. द्वारा संस्तुत लागत के अनुसार संलग्न विवरणानुसार रु 19,11,000/- (रु० उन्नीस लाख न्यारह हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये इतनी ही धनराशि के व्यय की भी श्री राज्यपाल महोदय सह अवश्य प्रदान करते हैं।

1— आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण कर संबन्धित विभाग के अधीक्षण अभियन्ता से दरों की स्वीकृति कार्य कराने से पूर्व अवश्य ली जाय।

2— कार्य कराने से पूर्व सनस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों /विशिष्टयों के अनुरूप ही कार्यों को सत्यादित कराते सनय पालन करना सुनिश्चित करें।

3— कार्य कराने से पूर्व कम से कम अधीक्षण अभियन्ता रस्तर के अधिकारी स्थल का निरीक्षण कर लें, तथा यह सुनिश्चित करें कि आगणन में जो प्राविधान इंगित किये गये हैं वह स्थल की आवश्यकतानुसार है अथवा नहीं, स्थल आवश्यकतानुसार ही कार्य कराना सुनिश्चित करें।

4— कार्य कराने से पूर्व स्थल आवश्यकतानुसार विस्तृत/ मानविक गठित कर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर लें, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं वित्तीय नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय एवं जिन आगणनों में स्लिप लिया गया है, कार्य कराने से पूर्व माप पुस्तिका से रिकार्ड मेजरमेंट इंगित अवश्य कराये जाय, तथा इसका सत्यापन अधिकारी स्वयं करें।

5— आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि आंकलित/स्वीकृत की गई है। व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद की राशि दूसरे मदों में किसी भी दशा में न किया जाय। इसका पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण ईकाई का होगा।

6— स्वीकृत धनराशि कार्यदारी संस्था को अवमुक्त करने से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा पुनः यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त है। भारत सरकार के दिशा निर्देशों से आच्छादित है। सूची में जो कार्य नय हो, उस कार्य को निरस्त कर इसका को इनीश अवगत कराया जाय।

7— कार्य प्रारम्भ से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य हेतु किसी अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है, यदि प्राप्त हुई है तो उसको तत्त्वाद्योजित करते हुए अवश्य धनराशि को इस धनराशि में से व्यय की जायेगी तथा

जिलाधिकारी द्वारा धनराशि निर्माण संस्था / विभाग को तब ही अवमुक्त की जायेगी, जब इस बात की लिखित रूप में पुष्ट हो जायें।

8- दैवी आपदा राहत निधि से कृत कार्यों का यथास्थान चिन्हांकन कर इसकी लागत, निर्माण एजेन्सी का नाम, कार्य प्रारम्भ व अन्त करने की तिथि का अंकन कर दिया जायेगा।

9- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए संबंधित निर्माण एजेन्सी / अधि शासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

10- उक्त कार्य इसी लागत में पूर्ण कर लिए जायेंगे, और इन पर लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमत्य नहीं होगी। कार्य कराते समय नियमानुसार टेण्डर के नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

11- कार्य प्रारम्भ करने एवं कार्य सम्पन्न होने के पूर्व क्षतिग्रस्त कार्ययोजनाओं की फोटो लेकर जिलाधिकारी को उपलब्ध करा दी जायेगी, ताकि कार्य की सत्यता का प्रमाणीकरण किया जा सके।

12- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2005 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय / भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को सर्वित कर दिया जायेगा।

13- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखा इण्डिक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 आपदा राहत निधि-आयोजनेतार 800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजनायें- 01 राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से व्यय-42- अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

14- यह आदेश वित्त विभाग के अ. शा. संख्या- 575 / वित्त अनु० 3 / 2004 दिनांक 28.2.2005 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोक्त

भवदीय,

(सोहन लाल)

अपर सचिव

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महालेखाकार, उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी) ओवैराय विलिंग, माजरा, देहरादून।

2- आपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग।

3- आपर सचिव, नियोजन विभाग।

4- कोषाधिकारी, चम्पावत।

5- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।

6- निजी सचिव, ना. मुख्यमंत्री कार्यालय।

7- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।

8- धन आवंटन संबन्धी पत्रावली।

9- गार्ड फाइल।

आज्ञा सं.

(सोहन लाल)

अपर सचिव